

प्रेषक,

एस.के. मुद्दू,
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल बहुउद्देशीय वित्त
एवं विकास निगम, देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग-01.

देहरादून, दिनांक 14 जून, 2010.

विषय: विशेष केन्द्रीय सहायता-जनजाति उपयोजनान्तर्गत अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों के समूहों को न्यू मॉडल चरखों पर कताई प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार प्रदान किए जाने की परियोजना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-1545, दिनांक 27 जनवरी 2010 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद-देहरादून के विकासखण्ड-चकराता, कालसी; जनपद-चमोली के विकासखण्ड-दशोली, जोशीमठ, घाट एवं जनपद-पिथौरागढ़ के विकासखण्ड-धारचूला, मुनस्यारी एवं थल में कुल रुपये 40.50 लाख की धनराशि व्यय कर 240 अनुसूचित जनजातियों की महिला/पुरुषों के समूह बनाकर न्यू मॉडल चरखों पर कताई प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़े जाने हेतु उत्तरांचल बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम, देहरादून को नोडल एजेंसी घोषित करते हुए विशेष केन्द्रीय सहायता-जनजाति उपयोजना से वित्त पोषित तथा "उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड" के माध्यम से द्विवर्षीय परियोजना संचालित किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- परियोजना के माध्यम से न्यू माडल चरखों पर 100 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में जनजातियों की बेरोजगार परम्परागत कारीगर महिला/पुरुषों का चयन किया जाएगा तथा प्रशिक्षण के उपरान्त ऊन कताई का कार्य कराते हुए स्वरोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।
- परियोजनान्तर्गत समूहों में बुनकरों को आधुनिक तकनीक से प्रशिक्षित कर उच्च गुणवत्ता का धागा तैयार कराया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर ही कतकर/बुनकरों को दैनिक रोजगार के साथ-साथ नियमित मजदूरी भी उपलब्ध होगी तथा सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों के स्थानीय कतकर/बुनकरों का आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान किया जा सकेगा। इस उत्पादित खादी के धागे को राज्य एवं राज्य से बाहर की खादी संस्थाओं/समितियों एवं व्यक्तिगत उद्यमियों को उनकी मांग के अनुसार विक्रय किया जाएगा।
- कार्यक्रम के संचालन हेतु कच्चा माल के रूप में "उत्तराखण्ड ऊन बैंक" द्वारा स्थानीय भेड़पालकों से क्रय की गई ऊन के टॉप्स का उपयोग किया जाएगा तथा परियोजना हेतु आवश्यक उपकरण न्यू माडल चरखा, सरंजाम कार्यालय, श्री गांधी आश्रम, अहमदाबाद से क्रय किए जाएंगे।

5. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा परियोजनान्तर्गत चयनित किए गए अभ्यर्थियों को क्षेत्रीय अधीक्षक, उद्योग के अधीनस्थ तकनीकी कर्मचारियों के मार्गदर्शन में पूरे वर्ष में निम्न विवरणानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा-

क्रमांक	जनपद	विकासखण्ड का नाम	प्रथम चरण	द्वितीय चरण	योग
1	देहरादून	चकराता, कालसी	40	40	80
2	चमोली	दशोली, जोशीमठ, घाट	40	40	80
3	पिथौरागढ़	धारचूला, मुनस्यारी	40	40	80
योग			120	120	240

6. प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ किए जाने हेतु रुपये 14,000 प्रति चरखों की दर से 240 चरखों के क्रय तथा प्रशिक्षण के दौरान प्रथम वर्ष में 120 कतकर/बुनकरों तथा दूसरे वर्ष में भी 120 कतकर/बुनकरों हेतु ऊन टॉप्स का क्रय किए जाने हेतु निम्नानुसार रुपये 40.50 लाख के व्यय की एतद्द्वारा श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हैं-

क्रमांक	वर्षवार चरण	कतकर/बुनकरों की संख्या	चरखों की आवश्यकता		प्रशिक्षण हेतु ऊन की आवश्यकता	
			लाभार्थी संख्या	धनराशि (लाख में)	मात्रा (क्विन्टल)	धनराशि (लाख में)
1	प्रथम वर्ष	120	120	16.80	15	3.45
2	द्वितीय वर्ष	120	120	16.80	15	3.45
योग		240	240	33.60	30	6.90

7. परियोजनान्तर्गत क्रय किए जाने वाले चरखों को प्रशिक्षण समाप्त होने के पश्चात् सम्बन्धित प्रशिक्षित लाभार्थी को ही सौंप दिया जाएगा, ताकि प्रशिक्षित लाभार्थी उन चरखों से उत्पादन कार्य कर सके। इसी प्रकार परियोजनान्तर्गत प्रशिक्षित लाभार्थी द्वारा उत्पादित ऊन से प्राप्त आय को सम्बन्धित लाभार्थी को क्रॉस्ड चैक/डिमाण्ड ड्राफ्ट के रूप में उपलब्ध करा दिया जाएगा ताकि प्रशिक्षित लाभार्थी को प्रोत्साहन के रूप में प्राप्त धनराशि भविष्य में कच्चा माल खरीदने के काम आ सके।

8. उक्त परियोजनान्तर्गत वे व्यक्ति पात्र होंगे जिनकी वार्षिक आय रुपये 36,000 हो अथवा वे बी.पी.एल. वर्ग के हों। लाभार्थियों के चयन हेतु सम्बन्धित जनपदों में एक चयन समिति का गठन किया जाएगा, जो सर्वाधिक प्रचार-प्रसार वाले दो समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी कर आवेदन प्राप्त करेगी। उक्तानुसार प्राप्त आवेदनपत्रों में समिति निर्धनतम व्यक्तियों का आरोही क्रम से चयन करेगी। समिति निम्नानुसार होगी-

- (1) जिला विकास अधिकारी
- (2) जिला समाज कल्याण अधिकारी
- (3) महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र
- (4) मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देहरादून द्वारा नामित एक अधिकारी

अध्यक्ष;
सदस्य;
सदस्य;
सदस्य.

9. परियोजनान्तर्गत धनराशि का व्यय मितव्ययिता के दृष्टिगत नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर करते हुए विशेष केन्द्रीय सहायता-जनजाति उप योजना में उत्तरांचल बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम के पास पूर्व से उपलब्ध अवशेष धनराशि से वहन किया जाएगा।

10. उक्त धनराशि का व्यय उसी प्रयोजन तथा दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा, जिसके लिए भारत सरकार से स्वीकृत हुई है।

11. यह आदेश वित्त विभाग की सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस.के. मुद्दू)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त।

पृष्ठांकन संख्या : 507(1)/XVII-1/2010-01(26)/2008, तद्दिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. निदेशक, जनजाति कल्याण, भारत सरकार को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया प्रस्ताव पर प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने का कष्ट करें।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. समस्त मण्डलायुक्त, उत्तराखण्ड।
4. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. निदेशक, जनजाति कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. जिलाधिकारी, देहरादून/चमोली/पिथौरागढ़।
8. जिला समाज कल्याण अधिकारी, देहरादून/चमोली/पिथौरागढ़।
9. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून/चमोली/पिथौरागढ़।
10. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
11. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(सी.एम.एस. बिष्ट)

अपर सचिव।